>

Title: Need to streamline the educational system at school level in the country.

श्री धनंजय सिंह (जौनपुर): महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं आपका ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं और सरकार से उम्मीद करता हूं कि वह इस ओर ध्यान देगी। दो वर्ष पहले सरकार ने राइट टू एजुकेशन बिल के माध्यम से सदन में और पूरे देश में एक ऐसा वातावरण बनाया कि वह सभी को शिक्षा देने का काम करेगी। मेरा आपसे आग्रह है कि इस देश में जो प्राथमिक विद्यालय हैं, वहां अभी शिक्षक और छात्र का जो अनुपात है, वह बहुत कम है। हम लोग अपने यहां गांव में जाकर देखते हैं, खास तौर से मैं अपने जनपद जौनपुर की बात आपको बताना चाहता हूं कि वहां तमाम ऐसे विद्यालय हैं, जहां पर सिर्फ एक शिक्षक है और कम से कम 200-200, 250-250 छात्र हैं। आज वर्तमान समय में मैं देखता हूं कि प्राइमरी एजुकेशन में विषय भी पढ़ाये जाने लगे हैं। जब विषय विशेषज्ञ टीचर नहीं रखे गये हैं, वहां सामान्य टीचर हैं और सामान्य टीचर सभी विषयों को पढ़ाने का काम करते हैं। एक-एक अध्यापक अगर 150-150, 200-200, 250-250 बच्चों को पढ़ायेगा तो हम कैसी शिक्षा बच्चों को दे पायेंगे? मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि शिक्षक और छात्र का अनुपात बराबर रखें। सरकार की जो रिपोर्ट है, उसमें पूरे देश में एक प्राथमिक विद्यालय पर दो शिक्षकों का आंकड़ा आया है।

महोदय, मेरा आपसे एक और आग्रह है कि सरकार आबादी के आधार पर प्राथमिक विद्यालय खोले। आबादी, शिक्षक, छात्र के अनुपात को ध्यान में रखकर प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना की जाये। प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना भी आबादी को ध्यान में रखकर की जाये। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।